

न्यायालय सहायक कलेक्टर (एस.डी.ओ.) बालोतरा

पीठासीन अधिकारी : श्री नरेश सोनी, आर.ए.एस

राजस्व वाद संख्या /2021

वादी :-

~~मानाराम पुत्र लच्छाराम~~

~~जाति मील निवासी देवी~~

तहसील पचपदरा जिला बाडमेर ।

बनाम

प्रतिवादीगण :-

~~मिसराराम, सुजातरा व जौरार~~

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा 88 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 वास्तो घोषणा व दुरुस्ती

उपस्थिति :- 1. श्री ~~मानाराम~~ स्वयं वादी।  
2. श्री ~~मिसराराम~~ प्रतिवादीगण



निर्णय

दिनांक :- 11-10-2021

वादी के द्वारा वादपत्र के सक्षिप्त तथ्य इस प्रकार है कि वादी की खातेदारी व कब्जा काश्त की भूमि खेत खसरा नं 290 रकबा 12.1.07 बीघा, सरहद मौजा ~~रूपडा~~ तहसील पचपदरा मे स्थित है जिस पर वादी का कब्जा काश्त है। वादी के बचपन में लाड प्यार से बोले जाने वाला नाम ~~मोहन~~ होने से राजस्व रेकर्ड में ~~मोहन~~ दर्ज किया गया, जबकि वादी का अन्य सभी दस्तावेजात भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड संख्या 974368721582, जन आधार कार्ड संख्या ..... मतदाता परिचय पत्र संख्या एसएसबी/0663096 राशन कार्ड संख्या 008725600262 ..... ~~मानाराम~~ दर्ज है। वादी को किसान कार्ड बनाने, किसान अनुदान लेने, अन्य सरकारी योजनाओं का फायदा प्राप्त करने में कई कठिनाईयों का सामना करना पड रहा है। वादी ने राजस्व रेकर्ड में अंकित गलत नाम इन्द्राज ~~मोहन~~ के स्थान पर ~~मानाराम~~ सही नाम घोषित करवाने का निवेदन किया गया।

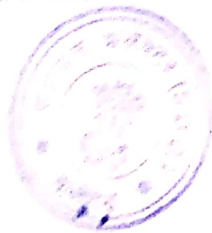
पीठासीन अधिकारी  
बालोतरा

प्रतिवादीगण संख्या 1 राजस्थान राज्य की तरफ से हेतुवाली जवाबदादा पेश कर वादी के वाद पत्र के समस्त तथ्यों को सही होना स्वीकार किया गया एवं वादी का बचपन नाम मोहन के स्थान पर मालाराम दृश्यता की जाती है, जो उन्हें कोई आपत्ति व उत्र एतयाज नहीं है।

वाद पत्र में अंकित तथ्यों की जांच तहसीलदार पंचयत तहसील पंचयत से करवाई गई। राजस्थान राज्य की ओर से जवाब प्रस्तुत किया गया जिसमें नाम दृश्यता करने की सहमति प्रकट की गई है।

इसमें पत्रादली का महत्ता से अवलोकन किया गया वाद अवलोकन प्राया गया कि खेत खसरा नं 290 रकबा 121-07 बीघा, सरहद मौजा खुशदेवी तहसील पंचयत वादी का नाम बचपन में लाड़-गार का नाम मोहन दर्ज किया गया वादी द्वारा साक्षी में प्रस्तुत दस्तावेजों में अर्थात् अन्य सरकारी व अन्य अर्द्धसरकारी दस्तावेजों संसंध ग्राम पंचायत समीन एवं तहसीलदार पंचयत की जांच रिपोर्ट के अवलोकन स्पष्ट साबित है कि वादी के बचपन का नाम मोहन दर्ज किया गया है वादी का सही नाम मालाराम है, ऐसी स्थिति में वादी के वाद को स्वीकार करने में कोई आपत्ति प्रतीत नहीं होती है।

उपरोक्त विवेदन के आधार वादी के वाद को स्वीकार किया जाकर तहसीलदार पंचयत की मजमें आम में की मौका रिपोर्ट के आधार पर खेत खसरा नं 290 रकबा 121-07 बीघा, सरहद मौजा खुशदेवी वादग्रस्त आराजी में वादी का मूल नाम मोहन पुत्र सुकराम के स्थान पर मालाराम पुत्र सुकराम उतिदार घोषित किया जाता है। तहसीलदार पंचयत को आदेशित किया जाता है कि वे तदनुसार राजस्व रेकर्ड में अमलदस्तावेज करना सुनिश्चित करें। निर्णय आज दिनांक 11-10-2024 को कोर्ट केम कोर्ट दुवावा में मजमें आम में सुनाया गया।



उपजुजुक्त कोर्टी  
कारावा